9 बाढ़ की संभावनाएँ

दुष्यन्तकुमार

(जन्म : सन् 1933 ई. : निधन : सन् 1975 ई.)

दुष्यंतकुमार का जन्म राजापुर नवादा जिला - बिजनौर (उत्तर प्रदेश) में हुआ था। उनकी उच्च शिक्षा इलाहाबाद में हुई। सरकारी नौकरी तथा कृषि उनका मुख्य व्यवसाय रहा। रूढ़िवादी और साम्राज्यवादी शक्तियों से संघर्ष की चेतना उनकी कृतियों का प्राण तत्त्व है। गीतकार गज़लकार और प्रबंधकार के रूप में उन्होंने नये-नये प्रयोग किए; किन्तु हिन्दी संसार में वे गज़लकार के रूप में प्रसिद्ध है। उन्होंने गज़ल को परम्परागत ढाँचे से अलग कर सामाजिक-राजनीतिक यथार्थ का सफल संवाहक बनाया।

'साये में धूप' उनका प्रसिद्ध गज़ल-संग्रह है। 'एक कंठ विषयायी', 'जलते हुए वन का वसन्त' और 'सूर्य का स्वागत' उनकी अन्य प्रसिद्ध कृतियाँ हैं। 'छोटे-छोटे सवाल' तथा 'आंगन में एक वृक्ष' उनके प्रसिद्ध उपन्यास हैं।

प्रस्तुत गज़ल मुसल्स (एक ही भावबोधवाली) गज़ल नहीं है। प्रत्येक शेर की भाव-भूमि भिन्न-भिन्न है। समसामयिक जीवन में मानव की स्थिति विसंगतियों से परिपूर्ण है। इससे कवि चिंतित अवश्य है; पर निराश नहीं। तमाम विषम परिस्थितियों की उपस्थिति के बावजूद उम्मीद की एक हल्की-सी किरण अभी भी उसके यहाँ बरकरार दिखाई देती है।

बाढ़ की संभावनाएँ सामने हैं,
और नदियों के किनारे घर बने हैं।

चीड़-वन में आँधियों की बात मत कर,
इन दरख़्तों के बहुत नाजुक तने हैं।

इस तरह टूटे हुए चेहरे नहीं हैं,
जिस तरह टूटे हुए ये आइने हैं।

आपके कालीन देखेंगे किसी दिन,
इस समय तो पाँव कीचड़ में सने हैं।

जिस तरह चाहो बजाओ इस सभा में,
हम नहीं हैं आदमी, हम झुनझुने हैं।

अब तड़पती-सी ग़ज़ल कोई सुनाए,
हमसफ़र ऊँघे हुए हैं, अनमने हैं।

शब्दार्थ और टिप्पणी

दरख्त पेड़ **कालीन** बड़ा गलीचा **चीड़** पर्वतीय प्रदेश में उगनेवाला एक बहुत ऊँचा पेड़, जिससे लीसा नामक गोंद जैसा पदार्थ निकलता है। लीसे से टर्पेन्टाइन तेल बनता है। **आइना** दर्पण **झुनझुना** एक खिलौना **नाजुक** मुलायम, कोमल, **तना** पेड़ का जमीन के ऊपर का मोटा हिस्सा **तड़पती-सी** बेचैन करनेवाली, **हमसफर** साथ में सफर करनेवाला, सह-यात्री, साथी **अनमना** उदास, शिथिल

स्वाध्याय

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दिए गए विकल्पों में से चुनकर लिखिए :

(1) कौन-सी संभावनाएँ सामने हैं?

(क) आँधी की (ख) बाढ़ की (ग) कीचड़ की (घ) पानी की

(2) कवि ने किस वन का जिक्र किया है?

(क) सुन्दरवन का (ख) मधुवन का (ग) तपोवन का (घ) चीड़ वन का

(3) हमसफर क्या कर रहे हैं?

(क) ऊँघे हुए हैं (ख) गज़ल सुना रहे हैं।

(ग) तड़प रहे हैं (घ) बाजा बजा रहे हैं।

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक-एक वाक्य में लिखिए :

(1) घर कहाँ बने हुए हैं?

(2) दरख्तों के तने कैसे हैं?

(3) कवि ने झुनझुना किसे कहा है?

(4) कवि कालीन क्यों नहीं देखना चाहता?

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर चार-पाँच पंक्तियों में लिखिए :

(1) कवि को इसकी क्यों चिंता है कि घर नदियों के किनारे बने हैं?

(2) चीड़ वन में आँधियों की बात करने से क्या होगा?

(3) आदमी को झुनझुना कहने का क्या तात्पर्य है?

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर चार-पाँच पंक्तियों में लिखिए :

(1) कवि सोये हुए साथियों को तड़पती हुई गज़ल क्यों सुनाना चाहता है?

(2) इस गज़ल का केन्द्रीय भाव अपने शब्दों में लिखिए।

योग्यता-विस्तार

(1) **विद्यार्थी प्रवृत्ति :** अपने शिक्षक की सहायता से गज़ल विद्या की जानकारी प्राप्त कीजिए।

(2) **शिक्षक प्रवृत्ति :** 'साये में धूप' गज़ल - संग्रह प्राप्त कर अन्य गज़ल कक्षा में सुनाइए।

⊙